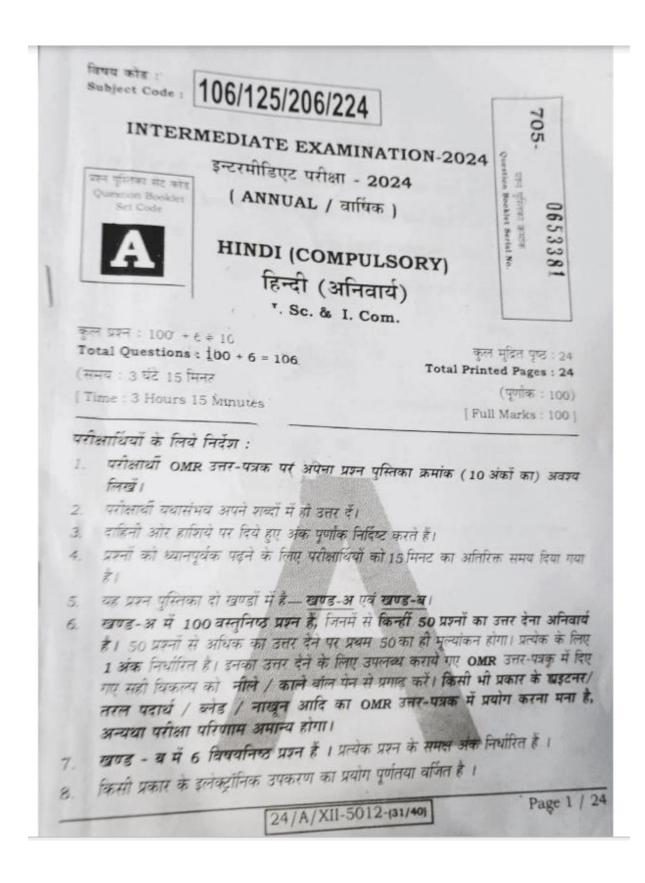
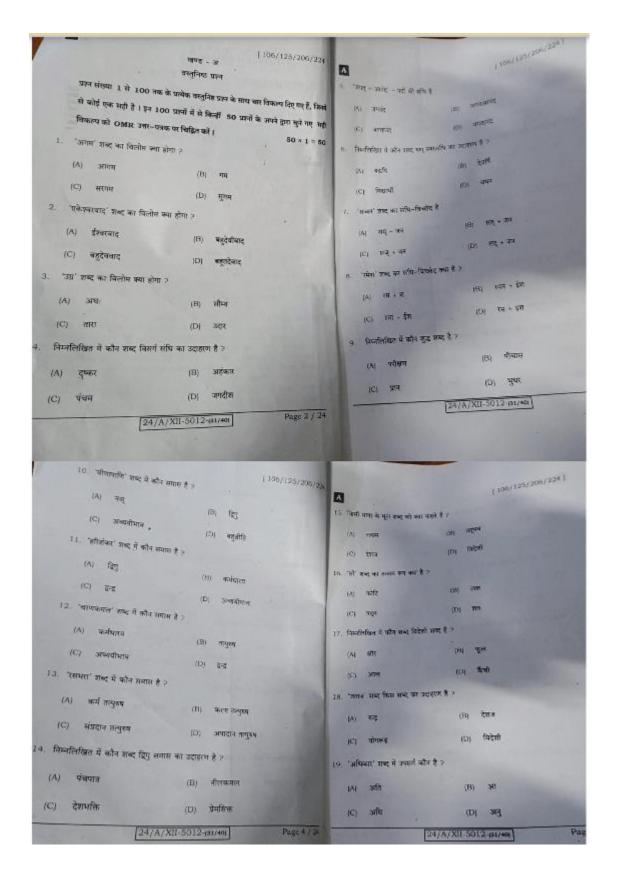
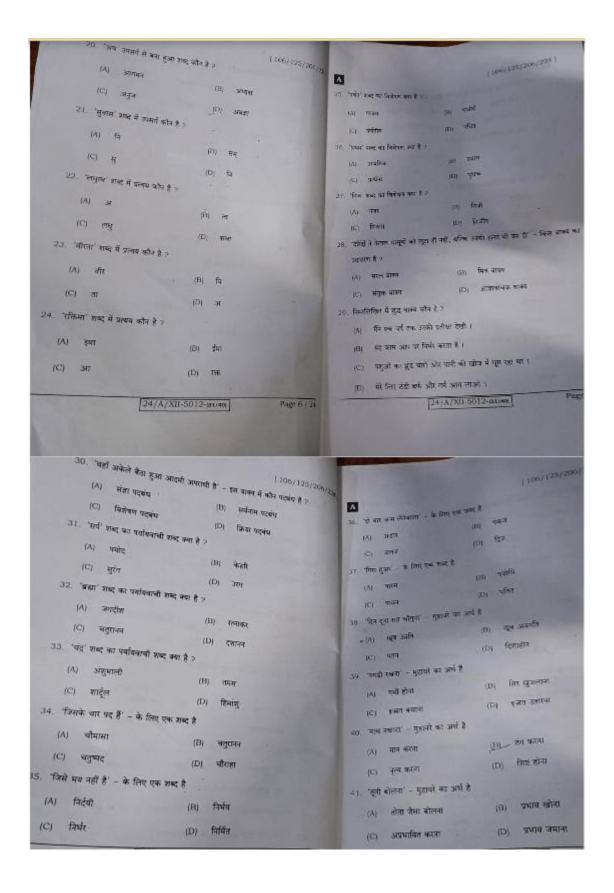
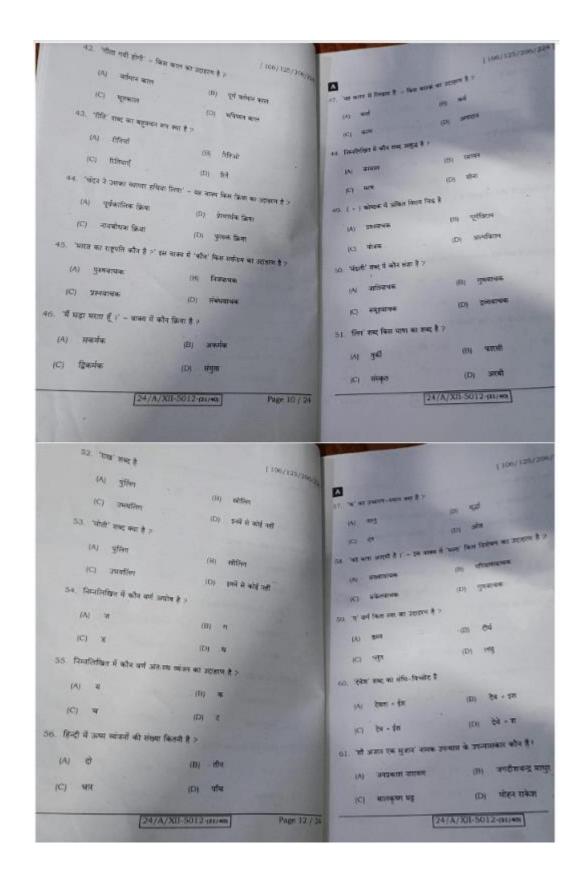
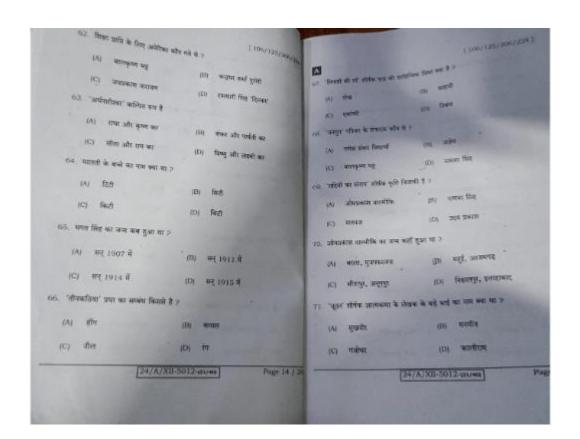
Bihar Board Class 12 Hindi Question Paper 2024 Set A

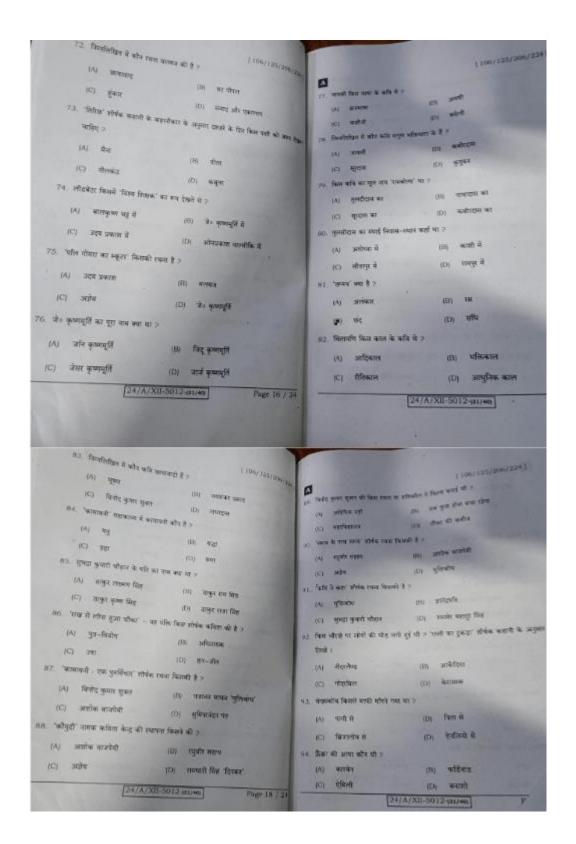


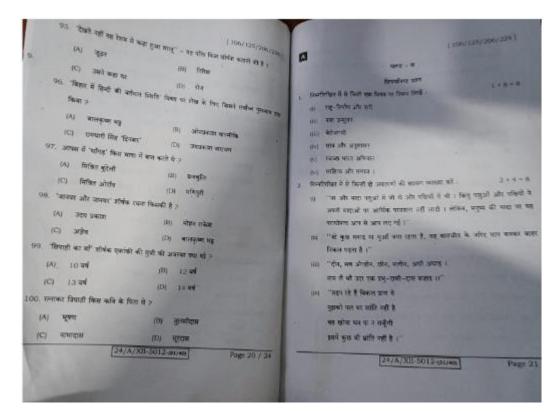


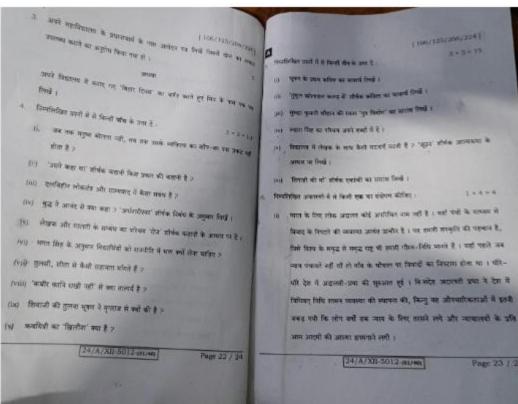












(ii) किसी भी राष्ट्र या जाति में संजीवनी शक्ति भरने वाला साहित्य ही है। साहित्य की महत्ता को पूरे विश्व ने मिलकर स्वीकारा है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। एक सभ्य समाज की कल्पना साहित्य के बिना नहीं की जा सकती, क्योंकि समाज को राष्ट्र दिखाने वाला, उसका मार्गदर्शक साहित्य ही है। अनेक विद्वानों ने यह स्वीकार किया है कि साहित्य के बिना मानव का जीवन अधूरा है। इसलिए साहित्य का अध्ययन सबके लिए आवश्यक है। जिस प्रकार भोजन हमारी शारीरिक जरूरतों की पूर्ति करता है ठीक उसी प्रकार साहित्य हमारी मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।